Class IX First Terminal Examination - 2017 Marks - 80

हिन्दी

Time - 2½ hrs

I निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर प्रस्ताव लिखिए [200 शब्दों में]

1. पर्यावरण के विषय में एक संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए। [12]
2. किसी एक त्योहार का वर्णन कीजिए।
3. चिड़ियाघर की सैर का वर्णन कीजिए।
4. आपके विद्यालय में 'वार्षिक-उत्सव' इस वर्ष किस ढंग से मनाया गया, वर्णन कीजिए।
5. अपनी किसी प्रिय पुस्तक को चुनिये और बताइये कि यह आपको क्यों प्रिय लगती है?

II निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर पत्र लिखिए। [8]

1. अपने मित्र को ओणम के दिन अपने घर आने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।
2. अपने पिताजी को पत्र लिखकर साइकिल दिलवाने की प्रार्थना कीजिए। उन्हें यह भी बताइए कि साइकिल आपके लिए क्यों आवश्यक है।

III. दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

बड़ी धूमधाम से मनाया, उसमें राजाओं को आमन्त्रित किया
ने उन्हें कीमती उपहार दिए। उपहारों में चार कीमती फूलदा
थे, जो एक राजा ने दिए थे। महाराज को फूलदान बहुत प
और उनकी सुरक्षा के लिए एक सेवक को तैनात कर दिया
सख्त आदेश दिया कि यदि फूलदानों के रख-रखाव में लाप
हुई या वे टूट गए तो उसे मृत्यु दंड दिया जाएगा।

वह सेवक दिन-रात देखभाल करता था। दुर्भाग्य से
अचानक एक फूलदान उसके हाथ से टूट गया। खबर सुनकर महार
क्रोधित हो गए और उस सेवक को आठवे दिन फाँसी की सजा

तेनालीराम को पता चला तो उन्होंने महाराज को समझाने
कोशिश की कि रामसिंह बीस वर्षों से उनकी सेवा में है, उसे मामू
नुकसान का इतना कठोर दंड उचित नहीं है। महाराज ने उनकी
तब तेनालीराम करागार गए, सेवक से बातें की और उसके कान में
कहकर आ गए।

आठवें दिन जब सेवक से अंतिम इच्छा पुछी गई तो सेव
कहा — "मैं बाकी बचे फूलदान देखना चाहता हूँ, जिनके कारण मु
सजा मिली है।"

महाराज की अनुमति से तीनों फूलदान लाये गए। सेवक
उन तीनों को जमीन पर पटक कर चूर-चूर कर दिया। महारा
से चिल्लाये - "मूर्ख! तुमने फूलदान क्यों तोड़े - क्या मिला तुम
तोड़कर? सेवक बोला "तीन निर्दोषों का जीवन महाराज! जि
मुझे सजा मिली उसी तरह मेरे बाद तीन और लोगों को
मिल सकती थी - ये फूलदान

सेवक की बात सुनकर महाराज को गलती का अहसास हुआ और फौरन सेवक की सजा स्थगित कर दी। [12]

प्रश्न

सेवक का क्या नाम था? वह कहाँ काम करता था? वह कितने समय से काम कर रहा था?

उसे क्या काम दिया गया था? काम के साथ क्या शर्त जुड़ी थी?

इस कहानी में महाराज को कितनी बार क्रोध आया और क्यों?

तेनालीराम क्या चाहते थे? इसके लिए उन्होंने क्या प्रयास किए?

महाराज को फूलदान कब मिले थे? उन फूलदानों का क्या हुआ?

सेवक को फूलदान तोड़ने का मौका कब मिला? फूलदान तोड़कर सेवक क्या मिला?

निर्देशानुसार लिखिए।

पर्याय लिखिए। [3]

1. अरण्य 2. अन्न 3. अंधकार

विलोम शब्द लिखिए। [1]

1. अपना 2. आदि

भाववाचक संज्ञा बनाइए। [1]

1. चोर 2. अतिथि

लिंग बदलिए। [1]

1. देव 2. सुनार

मुहावरों को वाक्य में प्रयोग कीजिए। [2]

1. राह देखना 2. दाँतों तले उँगली दबाना

Section - B

Answer any Four from this section.

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्

V "सबकी नजरें दरवाज़े पर लगी थीं, कि कब मेहमान आएँ का बेताबी से इंतजार था।"

1. मेहमान कौन थे? वे क्यों आ रहे थे?
2. अमित को कैसी लड़की चाहिए थी?
3. मेहमानों के स्वागत के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गई
4. अमित ने मीनू से क्या-क्या प्रश्न किए?

VI. वह स्वयं ही दृढता व साहस की मूर्ति थी।

1. 'वह' कौन थी? उसने क्या साहस किया था?
2. उसकी लगन देखकर माता-पिता ने क्या करने की आज्ञा दे
3. वह अपने पाँव पर खड़े होकर क्या करना चाहती थी
4. होस्टल जाते समय माँ ने उसे क्या आशीर्वाद दिया?

VII "कल ही उन्हें पत्र लिख दो कि हमें तुम्हारी छोटी बेटी प

1. यहाँ वक्ता और श्रोता कौन है?
2. छोटी बेटी कौन है! वह किसकी बेटी है!
3. वक्ता ने पत्र में ऐसा लिखने को क्यों कहा?
4. पत्र लिखते समय और बाद में श्रोता की मन: स्थिति

VIII. "मेरा बेटा बीमार रहे और मुझे पता भी न लगे।"

1. यहाँ वक्ता कौन है? वह कहाँ गई थी? [2]
2. बेटे का क्या नाम है? उसे क्या बीमारी थी? [2]
3. मिसरानी ने बहू के बारे में क्या कहा? [3]
4. श्रोता कौन है? उसने भाभी के बारे में क्या कहा? [3]

"माँ को बेटे से अलग करना पाप है, माँ का हृदय तोड़ना अत्याचार है।"

यह किसने किससे कहा था? [2]
वक्ता से सब सुनने के बाद माँ को कैसा लग रहा था? [2]
'पति-पत्नी' संबंध के बारे में भाभी ने क्या कहा? [3]
वक्ता ने भाभी पर क्या आरोप लगाये? [3]

"कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा

यहाँ वक्ता और श्रोता कौन है! [2]
श्रोता वहाँ क्यों आया था! [2]
यहाँ 'चोट' और 'मरहम' से क्या तात्पर्य है! [3]
ोता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]